हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 70 | जौनपुर, मंगलवार 05 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य : 2 रूपया

एमपी शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ, पंच प्रण ही विकसित भारत की राह

गोरखपुर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर राह किसी न किसी मंजिल तक पहुंचाती है, जरूरत सही मंजिल के लिए सही राह चुनने की है। वर्तमान में 142 करोड़ देशवासियों का लक्ष्य देश को विकसित और दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाना है और विकसित व आत्मनिर्भरभारत की राह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव में दिए गए पंच प्रण हैं। सीएम योगी सोमवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 91वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि 1932 में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज द्वारा स्थापित और उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज द्वारा पुष्पित–पल्लवित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अपने संस्थापकों की भावनाओं के अनुरूप तय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सतत प्रयत्नशील है। शैक्षिक पुनर्जागरण के साथ ही यह परिषद स्वास्थ्य और सेवा के अन्य तमाम प्रकल्पों को लेकर आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप, महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवेद्यनाथ हो या अन्य ऋषि–मुनि, महापुरुष, सबका एक ही ध्येय रहा, राष्ट्र प्रथम का। उनकी भावना पृथ्वी को माता मानने की और श्तेरा वैभव अमर रहे मांश के अनुरूप कार्य करने की रही। सीएम योगी ने कहा कि महाराणा प्रताप शौर्य, स्वाभिमान और स्वावलंबन की प्रतिमूर्ति हैं। देश को ऐसी ही भावनाओं से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के अमृत वर्ष में पंच प्रण की राह पर चलने का लक्ष्य दिया है। पंच प्रण यानी गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, विरासत का सम्मान, महापुरुषों, लोक कलाओं–परम्पराओं पर गौरव, एकता का संकल्प और नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन। देश की 142 करोड़ आबादी यदि पंच प्रण के अनुरूप राष्ट्र प्रथम की भावना से काम करे तो विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने और देश को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनने से कोई नहीं रोक सकता। सीएम योगी ने वर्तमान समय जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर वही लोग बांटना चाहते हैं जो भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के रूप में नहीं देखना चाहते। उन्होंने आह्वान किया कि 142 करोड़ लोगों के भारत को एकजुट रहकर विखंडन की खाई को चौड़ा नहीं होने देना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निवर्हन करे तो देश पंच प्रण के लक्ष्यों की ओर तेजी से अग्रसर होगा।

सीएम योगी ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की शोभायात्रा को अनुशासन और रचनात्मकता की झलक देने वाला बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यहां के विद्यार्थी व शिक्षक इस परिषद को देश की अग्रणी शैक्षिक सेवा प्रकल्प बनाते हुए राष्ट्रीय कर्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनरल वीके सिंह के सैन्य कार्यकाल और तदुपरांत राजनीतिक जीवन की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि जनविश्वास का प्रतीक वही बनता है जिसके आचार–विचार में समन्वय होता है। जब कथनी और करनी में समन्वय होता है तो जनता का विश्वास प्राप्त होता है।

झमाझम बरसात से भीगा लखनऊ

लखनऊ (एजेन्सी)। पश्चिमी विक्षोभ के कारण चक्रवाती हवा का क्षेत्र मध्य पाकिस्तान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आसपास का इलाका बना हुआ है। इस कारण मौसम में बदलाव शुरू हो गए हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बाद अब लखनऊ समेत मध्य यूपी में भी मौसम का असर नजर आ रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, मिचौंग तूफान लौटते वक्त यूपी पर असर डालेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक, लखनऊ, बाराबंकी, हरदोई, कन्नौज, कानपुर, कानपुर देहात, खीरी, सीतापुर, अलीगढ़, आगरा, औरैया, बदायूं, बरेली, बुलंदशहर, गौतमबुद्धनगर, कासगगंज, जालौन, झांसी, रामपुर, संभल, शाहजहांपुर समेत आसपास बरसात रिकार्ड हुई है। बादल छाए हुए हैं और अभी ये दौर जारी रहेगा। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, छह और सात दिसंबर के करीब मिचौंग की वापसी होगी, इसके कारण दक्षिण पूर्वी यूपी, खासकर छत्तीसगढ़ व झारखंड से लगे इलाके में इसका असर देखने को मिलेगा। पश्चिमी विक्षोभ के कारण चक्रवाती हवा का क्षेत्र मध्य पाकिस्तान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आसपास का इलाका बना हुआ है।

फिर बोले उदयनिधि स्टालिन, नहीं मांगूंगा माफी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। डीएमके नेता और तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी भाजपा पर श्सनातन धर्मश पर उनकी टिप्पणी को तोड़–मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया है। रविवार को करूर जिले में एक युवा कैडर बैठक में बोलते हुए, उदयनिधि स्टालिन ने अपने पहले के बयान के कारण हुए हंगामे का जवाब दिया। उन्होंने सनातन धर्म की तुलना ष्मच्छरों, डेंगू, मलेरिया, बुखार और कोरोनाष से की थी और इसके उन्मूलन का आह्वान किया था। मध्य प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधान मंत्री मोदी पर अपने भाषण को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाते हुए, उदयनिधि स्टालिन ने कहा, "उन्होंने कहा कि मैंने नरसंहार का आह्वान किया है, लेकिन उन्होंने ऐसी बातें कही जो मैंने नहीं कही हैं। मैंने एक सम्मेलन में भाग लिया और तीन मिनट तक बोला।

सीएम योगी ने सुनी फरियाद, बोले- जन समस्याओं के समाधान में कोताही बर्दाश्त नहीं

गोरखपुर (एजेन्सी)। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की। सीएम ने इत्मीनान से उनकी समस्याएं सुनीं और उनके गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाएं और उनकी समस्याओं का समाधान कर उसे संतुष्ट करें। इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 300 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने पाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

केन्द्रयी मंत्री जनरल वीके सिंह ने ली भव्य शोभायात्रा की सलामी

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह का हुआ शुभारंभ, 10 दिसंबर को होगा समापन मुख्य अतिथि हैं जनरल वीके सिंह

गोरखपुर (एजेन्सी)। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह का शुभारंभ सोमवार से हो गया है। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह मुख्य अतिथि हैं। बतौर मुख्य अतिथि समारोह के तहत निकलने वाली भव्य शोभायात्रा की सलामी ली। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संरक्षक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत विकसित राष्ट्र की आधारशिला है। किसी व्यक्ति का व्यक्तिव ही उसके विस्वास का प्रतीक बनाता है।। वही हर तरह की चुनौतियों से निपटने में सक्षम होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप की प्रेरणा से ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ ने सिंचित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 25 वर्ष का कार्यकाल तय किया है। इस 25 वर्ष के कार्यकाल में देश की 142 करोड़ जनता भारत को दुनिया का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने का काम करेगी। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह के मुख्य अतिथि केंद्रीय सड़क, परिवहन व राजमार्ग मंत्री जनरल वीके सिंह ने कहा कि हम जो भी काम करते हैं उससे ही हमें नाम और पहचान मिलती है। महाराणा प्रताप संस्थान के बच्चो में अनुशासन दिख रहा है। यही बच्चे देश को आगे ले जाने का काम करेंगे। संस्थापक सप्ताह समारोह का समापन 10 दिसंबर को होगा। इस बीच पांच से नौ दिसंबर के बीच विविध अकादमिक एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं में गोरखपुर मंडल के 100 से अधिक शिक्षण–प्रशिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे। बालीवाल व कबड्डी प्रतियोगिता में प्रदेश भर के प्रतिभागियों की प्रतिभागिता सुनिश्चित की जाएगी। संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन कार्यक्रम में प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। इस दौरान सर्वश्रेष्ठ कालेज, सर्वश्रेष्ठ स्कूल, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक, सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी व विद्यार्थी संवर्ग में सात स्वर्ण पदक भी दिए जाएंगे। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह और विशिष्ट अतिथि प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना होंगे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ही करेंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री एवं भारतीय थल सेना के पूर्व अध्यक्ष जनरल (डॉ.) वीके सिंह ने ली। कार्यक्रम के शुरुआत में मुख्य अतिथि जनरल (डॉ.) वीके सिंह ने एमपी इंटर कॉलेज के बलरामपुर हाल में लगी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

ममता बनर्जी ने कहा सीट-बंटवारे की व्यवस्था में कमी के कारण तीन राज्यों में हारी कांग्रेस

पश्चिम बंगाल (एजेन्सी)। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने आज कहा कि कांग्रेस इंडिया गठबंधन के सदस्यों के साथ सीट–बंटवारे की व्यवस्था की कमी के कारण तीन राज्यों में प्रमुख विधानसभा चुनाव हार गई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह ष्कांग्रेस की हार है, लोगों की नहींष। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तेलंगाना जीत लिया है। वे मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान जीत चुके होते। कुछ वोट इंडिया की पार्टियों ने काटे। यह सच है। हमने सीट–बंटवारे की व्यवस्था का सुझाव दिया था। वोटों के बंटवारे के कारण वे हार गये। ममता ने कहा, विचारधारा के साथ–साथ आपको एक रणनीति की भी जरूरत है। उन्होंने कहा, अगर सीट–बंटवारे की व्यवस्था होती है, तो बीजेपी 2024 में सत्ता में नहीं आएगी।श उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन अगले साल आम चुनाव से पहले मिलकर काम करेगा और गलतियों को सुधारेगा। उन्होंने कहा, श्हम गलतियों से सीखेंगे।श बनर्जी की टिप्पणी कांग्रेस को तीन प्रमुख राज्यों – मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में हार का सामना करने के बाद आई है। पार्टी मिजोरम में सभी 40 सीटों पर चुनाव लड़ने के बाद सिर्फ एक सीट जीतने में सफल रही। उसकी एकमात्र सांत्वना तेलंगाना में जीत है। विधानसभा चुनाव के इस दौर में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने कई सीटों पर अलग–अलग चुनाव लड़ा था।

आप नेता संजय सिंह को नहीं मिली राहत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार (4 दिसंबर) को एक्साइज पॉलिसी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राज्यसभा सांसद और आप नेता संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 11 दिसंबर तक बढ़ा दी। सिंह को उनकी पिछली न्यायिक हिरासत समाप्त होने के बाद आज अदालत में पेश किया गया था। आपको बता दें कि ईडी ने 4 अक्टूबर को संजय सिंह को गिरफ्तार किया था। इससे पहले कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को संजय सिंह द्वारा दाखिल जमानत अर्जी पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था।इससे पहले दो दिसंबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने संजय सिंह के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत एक स्थानीय अदालत में आरोपपत्र दायर किया।

विधायक दल की बैठक ने आलाकमान पर छोड़ा सीएम का फैसला

डीके शिवकुमार ने कहा, विधायकों ने सर्वसम्मति से संकल्प लिया है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तेलंगाना के मुख्यमंत्री का चयन करें

तेलंगाना (एजेन्सी। कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) ने राज्य सरकार के गठन पर चर्चा के लिए सोमवार को तेलंगाना में नवनिर्वाचित विधायकों के साथ एक बैठक बुलाई। बैठक का नेतृत्व एआईसीसी पर्यवेक्षक और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और तेलंगाना के एआईसीसी प्रभारी माणिकराव ठाकरे ने किया। बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता में डीके शिवकुमार ने कहा, विधायकों ने सर्वसम्मति से संकल्प लिया है कि वे चाहते हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तेलंगाना के मुख्यमंत्री का चयन करें। यह प्रस्ताव तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने रखा और बैठक में उपस्थित सभी विधायकों ने इसका समर्थन किया। शिवकुमार ने कहा कि जबकि प्रक्रिया जारी है, नवनिर्वाचित विधायकों ने इस दृष्टिकोण पर सहमति व्यक्त की है। यह सुनिश्चित करने के प्रयास में कि हर आवाज सुनी जाए, सभी 64 विधायक मुख्यमंत्री पद के लिए अपने पसंदीदा उम्मीदवार पर अपनी राय साझा करने के लिए शिवकुमार से व्यक्तिगत रूप से मिलेंगे। यह सामूहिक निर्णय तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत के बाद आया है, जिसे रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस सुनामीष कहा है। शिवकुमार ने कहा कि आज हमने कांग्रेस विधायक दल की पार्टी के नवनिर्वाचित सदस्यों की बैठक की। हम यहां अपनी सरकार बनाने की अनुमति देने के लिए राज्य के लोगों को धन्यवाद देते हैं। नवनिर्वाचित कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को कांग्रेस विधायक दल का नेता नियुक्त करने के लिए अधिकृत करने का संकल्प लिया। सभी ने तय किया है कि आलाकमान जो भी फैसला करेगा, हम उसके अनुसार चलेंगे। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने अपने दल की प्रमुख नेता सोनिया गांधी और अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का आभार जताते हुए रविवार को कहा कि सरकार गठित करने के बाद उनकी पार्टी तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस की जीत 'तेलंगाना के शहीदों' को समर्पित है। उन्होंने कहा कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' ने राज्य में पार्टी को मजबूती प्रदान की। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस द्वारा दी गई 'छह गारंटी' और राहुल गांधी तथा पार्टी के अन्य प्रमुख नेताओं द्वारा किए गए वादों को भी पार्टी पूरा करेगी। यह सामूहिक निर्णय तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत के बाद आया है, जिसे रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस सुनामीष कहा है। शिवकुमार ने कहा कि आज हमने कांग्रेस विधायक दल की पार्टी के नवनिर्वाचित सदस्यों की बैठक की। हम यहां अपनी सरकार बनाने की अनुमति देने के लिए राज्य के लोगों को धन्यवाद देते हैं।

मणिपुर के हालात में धीरे-धीरे हो रहा सुधार, कुछ इलाकों को छोड़कर मोबाइल इंटरनेट सेवा बहाल

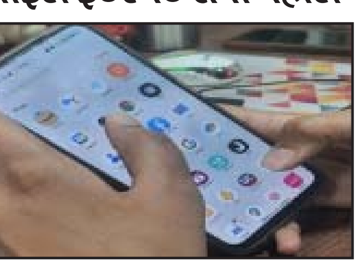

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मणिपुर सरकार ने एक बार फिर आम जनता को होने वाली असुविधाओं और मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए राज्य के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में इंटरनेटध्मोबाइल डेटा, एमएमएस सेवाओं के निलंबन में तत्काल प्रभाव से ढील देने का फैसला किया है। सरकार द्वारा रविवार को जारी किए गए नवीनतम आदेशों में घोषणा की गई है कि मणिपुर राज्य के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में इंटरनेटध्मोबाइल डेटा, एमएमएस सेवाओं के निलंबन में ढील दी गई है।

सेवाओं में 18 दिसंबर तक 15 दिनों के लिए कुछ विशेष जिलों के निकटवर्ती क्षेत्रों के 2 किलोमीटर के दायरे में मोबाइल टावरों की खानपान सेवाओं को छोड़कर छूट दी गई है। अधिसूचना के अनुसार चंदेल और काकचिंग, चुराचांदपुर और बिष्णुपुर जैसे जिलों के बीच के क्षेत्रों में दो किलोमीटर के दायरे में सेवाएं प्रदान करने वाले मोबाइल टावर की सेवाओं पर प्रतिबंध जारी रहेगा। इसके अलावा चुराचांदपुर और काकचिंग, कांगपोकपी और इंफाल पश्चिम, कांगपोकपी और इंफाल पूर्व, कांगपोकपी और थौबल तथा तेंगनौपाल और काकचिंग जैसे जिलों के बीच के क्षेत्रों में दो किलोमीटर के दायरे में यह प्रतिबंध रहेगा।

कांग्रेस नेता के ट्वीट से मचा बवाल

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम ने अपनी पार्टी द्वारा तेलंगाना पर कब्जा करने और भाजपा द्वारा तीन राज्यों में निर्णायक जीत हासिल करने के बाद नाराजगी व्यक्त की। एक्स पर उन्होंने द साउथ लिखा जिनमें मतदाताओं के बीच उत्तर–दक्षिण विभाजन के बारे में बात की गई और बहस छिड़ गई। भाजपा द्वारा जीते गए तीन राज्य – छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान – हिंदी हार्टलैंड का हिस्सा माने जाते हैं। दूसरा तेलुगु राज्य तेलंगाना, 2014 में आंध्र प्रदेश से अलग होकर बनाया गया था। वहां कांग्रेस जीती है और वह दक्षिण भारत में आता है। अपने ट्वीट द साउथ पर कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि मैंने ऐसा कुछ भी सुझाव नहीं दिया है.।

क्या फिर किसी शाही परिवार के हाथ में होगी राजस्थान की कमान

जयपुर के पूर्व शाही परिवार की सदस्य राजकुमारी दीया कुमारी भी ताज की प्रबल दावेदार बनकर उभरी हैं

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बीते रविवार को राजस्थान में मौजूदा कांग्रेस सरकार से सत्ता छीन ली और 115 सीटों के साथ नई सरकार बनाने की तैयारी में है। अशोक गहलोत ने अपना पांच साल का पूरा कार्यकाल पूरा करने के बाद राज्यपाल कलराज मिश्र को अपना इस्तीफा सौंपते हुए मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया। अब भाजपा इस बात पर मंथन कर रही है कि रेगिस्तानी राज्य का नेतृत्व किसे सौंपा जाए। हालांकि, ऐसा लगता है कि फिर से सत्ता की कमान किसी शाही परिवार के हाथों में जा सकती है। लेकिन इस बार, राजघराने में सिर्फ वसुंधरा राजे सिंधिया नहीं हैं जिन्होंने राजस्थान के सीएम के रूप में दो कार्यकाल दिए हैं। जयपुर के पूर्व शाही परिवार की सदस्य राजकुमारी दीया कुमारी भी ताज की प्रबल दावेदार बनकर उभरी हैं। भाजपा की प्रभावशाली जीत के तुरंत बाद, इस शाही परिवार के नाम ने शीर्ष पद के लिए प्रमुख चेहरों में से एक के रूप में लोकप्रियता हासिल की है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार और राजसमंद से सांसद दीया कुमारी ने राजस्थान की विद्याधर नगर विधानसभा सीट पर कांग्रेस के सीताराम अग्रवाल के खिलाफ 71,368 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। उन्होंने राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भगवा पार्टी के प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रेय देते हुए कहा कि मोदी का जादू हर जगह चला। जयपुर रियासत के अंतिम शासक महाराजा मान सिंह द्वितीय की पोती दीया कुमारी 2013 में भाजपा में शामिल हुईं। वह 2013 में हुए चुनावों में किरोड़ी लाल मीना को हराकर सवाई माधोपुर से राजस्थान विधानसभा के लिए चुनी गईं। 2019 के लोकसभा चुनाव में, उन्होंने राजसमंद निर्वाचन क्षेत्र से 5.51 लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की और संसद में प्रवेश किया। पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और महिला सशक्तिकरण के लिए अपनी आवाज के साथ 52 वर्षीया का कद एक राजनेता के रूप में बढ़ गया है। उन्हें 2019 में सरकार के राष्ट्रीय बाघ संरक्षण के सदस्य के रूप में सेवा देने के लिए चुना गया था।

राघव चड्ढा को मिली बड़ी राहत, राज्यसभा सभापति ने रद्द किया निलंबन

नई दिल्ली (एजेन्सी)। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा का निलंबन सोमवार को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने भाजपा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव के प्रस्ताव पर रद्द कर दिया। इसके बाद राघव चड्ढा ने कहा कि 11 अगस्त को मुझे राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया। मैं अपने निलंबन को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट गया। सुप्रीम कोर्ट ने इसका संज्ञान लिया और अब 115 दिनों के बाद मेरा निलंबन रद्द कर दिया गया है। मुझे खुशी है कि मेरा निलंबन वापस ले लिया गया है और मैं सुप्रीम कोर्ट और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को धन्यवाद देना चाहता हूं। मानसून सत्र के आखिरी दिन राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के सदस्य राघव चड्ढा को नियमों के घोर उल्लंघन और अवमाननापूर्ण आचरण के चलते समिति की रिपोर्ट आने तक निलंबित कर दिया गया था। मानसून सत्र के अंतिम दिन, सदन के नेता सदन पीयूष गोयल ने राघव चड्ढा द्वारा नियमों का उल्लंघन करने तथा सदन की एक समिति के लिए चार सदस्यों का नाम उनकी सहमति लिए बिना प्रस्तावित करने का मुद्दा उठाया था।

सम्पादकीय

दुबई के जलवायु-सम्मेलन से सबको कम ही उम्मीदें हैं

इस सप्ताह जब मैं दुबई पहुंची तो वहां सीओपी28 का माहौल पहले ही जमने लगा था। लग्जरी शॉपिंग, गगनचुम्बी इमारतों और नाइट–लाइफ का यह शहर जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करने के लिए तैयार था। वह उस सीओपी28 की मेजबानी कर रहा है, जो दुनिया को बचाने की कोशिशों में जुटा एक शिखर सम्मेलन है। सीओपी में 1992 में स्थापित यूएन क्लाइमेट फ्रेमवर्क का प्रत्येक सदस्य शामिल है। दुबई एक्स्पो सेंटर स्थित इसका आयोजन स्थल भव्य और अत्याधुनिक है। 200 देशों और क्षेत्रों से भाग लेने वाले 70,000 प्रतिनिधियों के साथ यह अब तक का सबसे बड़ा सम्मेलन है। लेकिन इससे उम्मीदें कम ही हैं। दुनिया भर के नेता, कार्यकर्ता, कॉर्पोरेट दिग्गज और पत्रकार दुबई आ रहे हैं, लेकिन सोचो यहां कौन नहीं आया है? अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, दोनों नदारद हैं। दोनों ने अपने स्थान पर अपने जलवायु–दूत भेज दिए हैं। यह दुनिया के लिए बहुत ही खराब संदेश है। अमेरिका और चीन दुनिया के दो सबसे बड़े प्रदूषक देश हैं, लेकिन उनके नेताओं ने इस समिट में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। इससे पता चलता है कि वे इसे कितनी अहमियत देते हैं। सम्मेलन का एजेंडा मुख्यतया दो बातों पर केंद्रित है– इस क्षेत्र में प्रगति का जायजा लेना और अगले कदमों के लिए फंडिंग करना। लेकिन इन दोनों में ही कमीबेशी रहने वाली है। 2015 में दुनिया के देशों ने वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। साथ ही वे 2030 तक वैश्विक उत्सर्जन में 43: की कटौती करने पर सहमत हुए थे। इन आठ वर्षों में क्या प्रगति हुई है? वर्तमान दर पर तो 2030 तक वैश्विक उत्सर्जन में मात्र दो प्रतिशत की गिरावट आएगी। यानी हम अपने लक्ष्य से कोसों दूर हैं। 2023 सबसे गर्म वर्ष होने की राह पर है। यह अब एक सालाना चलन बन गया है। बाढ़, सूखे और तूफानों के साथ हर साल रिकॉर्ड पर सबसे गर्म होता जा रहा है। सार्थक जलवायु कार्रवाई के लिए हमें बेहतर नीतियों और धन की आवश्यकता है। जलवायु संबंधी विनाशों की कीमत भी किसी न किसी को चुकानी ही होगी। पाकिस्तान का ही मामला ले लें। औद्योगिक युग के बाद से इस देश का सभी उत्सर्जनों में केवल 1: योगदान रहा है, लेकिन हाल में आई भीषण बाढ़ ने इसे तबाह कर दिया। हालांकि बाढ़ आना कोई नई बात नहीं है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण इनका स्तर कई गुना बढ़ गया है और इससे 30 अरब डॉलर तक का नुकसान हुआ है। मिस्र में पिछले सीओपी शिखर सम्मेलन में ऐसे देशों को समर्थन देने के लिए एक कोश बनाने पर सहमति बनी थी। लेकिन हमने अभी तक धनराशि के दर्शन नहीं किए हैं। ग्लोबल साउथ चाहता है कि अमीर देश 2030 तक कम से कम 100 अरब डॉलर का बिल चुकाएं। आखिरकार, यह उनके द्वारा फैलाया प्रदूषण ही है, जो दुनिया को इन हालात में ले आया है। लेकिन अमीर देश अनिच्छुक हैं। वे कहते हैं कि यह अब एक साझा जिम्मेदारी है। अमीर बनाम गरीब की यह बहस हर सीओपी में एक आम विषय है। पिछले सीओपी में दुनिया के देश चरणबद्ध तरीके से कोयले का उपयोग समाप्त करने पर सहमत हुए थे। इसलिए स्वाभाविक रूप से इस बार उनसे जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने की उम्मीद की जा रही है। लेकिन इसमें से बहुत कुछ मेजबान देश पर निर्भर करता है। क्योंकि खुद यूएई हर दिन 40 लाख बैरल तेल का उत्पादन करता है। उनके कुल राजस्व का 35: से अधिक तेल से आता है। तो क्या वे इस पर सहमत होंगे? हालिया रिपोर्टों से यह भी पता चलता है कि यूएई ने तेल और गैस सौदे करने के लिए सीओपी का उपयोग करने की कोशिश की है। यदि यह सच है तो यह हितों के टकराव का मामला बन जाएगा। इसके बावजूद तेल–उत्पादकों को जलवायु–नियंत्रण की प्रक्रिया में सम्मिलित करना जरूरी है। तेल और गैस उद्योग ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 75: का योगदान करते हैं। उनके बिना आप प्रदूषण में कटौती नहीं कर सकते। आपको उनके समर्थन और धन की आवश्यकता है। 2022 का साल तेल के लिए ब्लॉकबस्टर वर्ष था। इसमें 200 अरब डॉलर का मुनाफा कमाया गया था। सरकारों को इसमें से कुछ का निवेश ग्रीन एनर्जी में करने के लिए मनाने की जरूरत है। नहीं तो हम अपने लक्ष्य में पिछड़ते रहेंगे। अगले साल के सीओपी के लिए कोई मेजबान तक नहीं है। यह पूर्वी यूरोप में आयोजित होना प्रस्तावित है, लेकिन यूक्रेन में चल रहे युद्ध के बीच रूस का कहना है कि वह इसकी इजाजत नहीं देगा।

जीवन बायोपिक नहीं, पर उसे चौटजीपीटी भी नहीं होना चाहिए!

मुझे पता नहीं कि वे पटाखों, खिलौनों के अलावा दूसरी उन तमाम चीजों के लिए पिता से लड़े थे या नहीं, जिनका आकर्षण हर बच्चे में रहता है। लेकिन दुनिया जानती है कि उच्च शिक्षा के सवाल पर उनकी पिता से तकरार हुई थी। पिता ने सेना में जाने की उनकी योजना का विरोध किया था, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए विद्रोह कर दिया कि तब तो पिता को उन्हें लंदन भेज देना चाहिए ताकि वे स्त्री रोग विशेषज्ञ बन सकें। पिता की इनकार के बाद उन्होंने भारतीय सैन्य अकादमी की प्रवेश परीक्षा दी और एक ऐसी शख्सियत बने, जिन पर 2023 में फिल्म बनी। वे हमेशा चाक–चौबंद रहते थे और चाहते थे कि उनके आगंतुक भी बढ़िया पोशाक पहनें। खाना पकाने और पार्टियों की मेजबानी में भी उन्होंने कभी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की। वे अपने ह्यूमर से लोगों को लुभाना जानते थे और शायद यही कारण था कि भारतीय प्रधानमंत्री को भी "स्वीटी' कहकर पुकारने के बावजूद उनकी बात का बुरा नहीं माना गया। ऐसा इसलिए था क्योंकि 1971 के युद्ध में उनकी चतुर रणनीतियों ने उन्हीं प्रधानमंत्री की अमेरिकियों का सामना करने में खासी मदद की थी। वे केवल इसलिए भर एक नायक नहीं थे क्योंकि उन्होंने कठिनतम निर्णय लेने में प्रधानमंत्री की मदद की थी, बल्कि इसलिए भी क्योंकि उन्होंने कुछ अवसरों पर जख्मी होने के बावजूद मौत को गच्चा दे दिया था। उन्हें उनके एक दमदार डायलॉग के लिए पूरे देश में जाना जाता है– "अगर कोई आदमी कहता है कि वह मरने से नहीं डरता, तो वह या तो झूठ बोल रहा है या फिर वह गोरखा है!' उनके जैसा आत्मविश्वासी व्यक्ति ढूंढना मुश्किल है, जो अपनी ताकत को औरों से बेहतर तरीके से जानता हो। जब कोई गलती करता था तो वे उतने ही मुंहफट तरीके से उसे इसका एहसास करा देते थे। उनका व्यक्तित्व बहुरंगी और करियर चमकदार था। हर किसी का जीवन फील्ड मार्शल सैम (बहादुर) होर्मूसजी फ्रामजी जमशेदजी मानेकशॉ जितना रोमांचक नहीं हो सकता।

इंस्पेक्टर बाल कृष्ण ने सकरौली गांव जाकर भूमाफियाओं को दी चेतावनी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हरदोई जनपद की कोतवाली पचदेवरा के इंस्पेक्टर बालकृष्ण ने सकरौली गांव जाकर भूमाफियाओं को कड़ी चेतावनी दी। इंस्पेक्टर बालकृष्ण ने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाया जाएगा, किसी ने गांव में दबंगई दिखाने की कोशिश की तो सुसंगत धाराओं में मुकदमा कायम किया जाएगा और जेल भेज दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि गांव के वयोवृद्ध विक्रम के घर और खेत की जमीन पर भूमाफियाओं की नजर गड़ी हुई है। भूमाफियाओं ने खेत की मेड तोड़कर अवैध रूप से खेत कब्जा कर लिया और फसल की बुवाई कर दी।

एक अंतहीन और भयावह त्रासदी के 39 बरस

सतीश एलिया

> देश में साल 2021 जनवरी से जून तक छह माह में औद्योगिक हादसों में 117 मौतों का आंकड़ा बताता है कि न जाने कितने भोपाल सतत घट रहे हैं। आए दिन गैस रिसाव के हादसे सामने आते रहते हैं । कोई नहीं जानता कि 39 साल पहले 2 और 3 दिसम्बर की दरम्यानी रात घटे भोपाल हादसे की उम्र कितनी लंबी होगी, संततियां विकलांग और बीमार पैदा होने की बात तो आईसीएमआर की पहली रिपोर्ट में हादसे के तीन बरस बाद ही 1987 में बता दी थी। हादसे में रिसी गैस को मिथाइल आइसोसाइनाइड इंगित करने वाली यह रिपोर्ट बताती है कि गर्भवती स्त्रियों में से 24.2 प्रतिशत गर्भपात का शिकार हो गई थीं। जो जन्में उनमें से 60.9 प्रतिशत शिशु भी ज्यादा दिन जीवित नहीं रह सके। मौत के पंजे से बच निकले शिशुओं में से भी 14.3 प्रतिशत शिशु दुनिया में शारीरिक विकृति लेकर आए। यह विकृति भी उन शिशुओं में ज्यादा पाई गई जो गैस रिसाव के समय गर्भ में तीन से लेकर नौ माह तक की अवस्था में थे। इतना ही नहीं हादसे के वक्त पांच बरस तक के रहे बच्चों पर भी गैस का घातक असर हुआ।

39 बरस पूरे हो गए हैं विश्व की भीषणतम औद्योगिक त्रासदी यानी भोपाल गैसकांड को शुरू हुए। दो और तीन दिसंबर 1984 की दरम्यानी स्याह और सर्द रात को भोपाल में यूनियन कारबाइड के कारखाने से निकली प्राणघातक गैस के नासूर को रिसते तीन लाख 41हजार 660 घंटे से ज्यादा अर्सा बीत गया है। लेकिन तंत्र की तंद्रा अब तक भंग नहीं हुई है। कुछ सवाल उस रात मौतों की चीत्कार सुनकर ठिठक कर खड़े हो गए थे, वे अब तक वहीं खड़े हैं। आखिर ये 'भोपाल' क्यों घटा? किसने घटने दिया? और किसने दोषियों को 'कवच कुंडल' दिए? प्रश्नों के उत्तर जहां से आने हैं, वहां चुप्पी के ताले हैं और उस रात शुरू हुआ सतत हादसे का अंतहीन दौर अब तक जारी है, न्याय की बात तो कौन करे, जिंदा बच गए लोग अपने सीने में दफ्न गैस पीढ़ी दर पीढ़ी सौंपने को अभिशप्त हैं। उन्हें संवेदनहीन तंत्र ने पल–पल मौत का संत्रास झेलते–झेलते मौत की आखिरी पेशी की आवाज सुनने के लिए अभिशप्त कर दिया है। खतरनाक बात ये है कि हमने श भोपालश से कोई सबक नहीं लिया है। भारत में मई 2020 से जून 2021 के बीच औद्योगिक हादसो में 231 मजदूरों की मौत हुई। आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम के एलजी प्लांट से जहरीली गैस के रिसाव से एक दर्जन मौतों से लेकर के थर्मल पावर प्लांट विस्फोट में 20 मौतों और विरूधनगर पटाखा फैक्ट्री में आग से 21 लोगों की जान चली जाने के हादसे इसमें शामिल हैं। देश में साल 2021 जनवरी से जून तक छह माह में औद्योगिक हादसों में 117 मौतों का आंकड़ा बताता है कि न जाने कितने भोपाल सतत घट रहे हैं। आए दिन गैस रिसाव के हादसे सामने आते रहते हैं । कोई नहीं जानता कि 39 साल पहले 2 और 3 दिसम्बर की दरम्यानी रात घटे भोपाल हादसे की उम्र कितनी लंबी होगी, संततियां विकलांग और बीमार पैदा होने की बात तो आईसीएमआर की पहली रिपोर्ट में हादसे के तीन बरस बाद ही 1987 में बता दी थी। हादसे में रिसी गैस को मिथाइल आइसोसाइनाइड इंगित करने वाली यह रिपोर्ट बताती है कि गर्भवती स्त्रियों में से 24.2 प्रतिशत गर्भपात का शिकार हो गई थीं। जो जन्में उनमें से 60.9 प्रतिशत शिशु भी ज्यादा दिन जीवित नहीं रह सके। मौत के पंजे से बच निकले शिशुओं में से भी 14.3 प्रतिशत शिशु दुनिया में शारीरिक विकृति लेकर आए। यह विकृति भी उन शिशुओं में ज्यादा पाई गई जो गैस रिसाव के समय गर्भ में तीन से लेकर नौ माह तक की अवस्था में थे। इतना ही नहीं हादसे के वक्त पांच बरस तक के रहे बच्चों पर भी गैस का घातक असर हुआ। वे उम्र बढ़ने के साथ ही सांस की तकलीफ के बढ़ने का शिकार भी हुए। यानी आज जो 39 बरस से 46 बरस की उम्र के गैस पीड़ित हैं, उनकी तकलीफें मुसलसल जारी हैं। यह भी दहला देने वाली हकीकत है कि राज्य सरकार के मेडिको लीगल संस्थान में गैस हादसे के पीड़ितों के सैंपल तक सुरक्षित नहीं रह पाए। सियासत की बात करें तो उस वक्त की सूबे की और केंद्र की सरकारों ने क्या किया था, जबकि उन्हें करना क्या चाहिए था? यह सवाल अब तक अनुत्तरित हैं। दोनों ही कांग्रेस की सरकारें थीं। प्रधानमंत्री थे राजीव गांधी और मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह। सरकारों ने गिरफ्तार आरोपी वारेन एंडरसन को सुरक्षित और सम्मान सहित अमेरिका जाने का इंतजाम किया था। इस पर सियासत से लेकर बौद्धिक बहसों के अनेक कारवां गुजर चुके हैं। भाजपा तो भोपाल में बकायदा गैस हादसे और पीड़ितों की समस्या को दो दशक तक चुनावी मुद्दा बनाती रह चुकी है। गैस त्रासदी और उस वक्त के पूरे वार्डों यानी समूचे शहर को गैस पीड़ित मानने पर जोर देती रही यह पार्टी बीते करीब दो दशक से प्रदेश की सत्ता में हैं, लेकिन गैसकांड वाले मुद्दे पीछे छूट गए हैं। बीते चार विधानसभा चुनाव में किसी भी सियासी जमात ने गैस कांड पीड़ितों के मुद्दे को चुनावी मुद्दा ही नहीं माना। हालांकि जब अदालती फैसले की वजह से गैस कांड और एंडरसन का मामला चर्चा में आया,तो जांच के लिए कमेटियां बना दी गईं। वर्तमान सरकार ने भी अब से करीब 12 साल पहले न्यायिक जांच कमेटी बनाई थी। न तो हादसे का मुख्य आरोपी वारेन एंडरसन इस दुनिया में है, न ही उसके भारतीय साझेदार और न ही उसके मददगार बने तत्कालीन सरकारों के मुखिया। गैस पीड़ितों की उस वक्त मदद करने वाले लोगों के संगठन भी छिन्न–भिन्न होकर नेताओं की संख्या उतनी संख्या तक जा पहुंचे ही है जितनी बरसियां बीतती जा रही हैं। न तो गैस त्रासदी के लिए जिम्मेदारों को सजा ही मिली और न ही पीड़ितों को राहत महसूस कर सकने लायक न्याय। 'भोपाल' को लेकर सियासत बदस्तूर जारी है। यक्ष प्रश्न यह है कि हमने और दुनिया ने विश्व की भीषणतम युद्ध त्रासदी हिरोशिमा नागासाकी की ही तरह विश्व की भीषणतम औद्योगिक त्रासदी भोपाल गैस कांड से क्या सीखा? ये हादसा दुनिया के रहबरों के माथे पर सिकन पैदा नहीं कर पाया था, लेकिन इससे सबक लिए बिना दुनिया का भला नहीं हो सकता। गैस त्रासदी में एक रात में काल कवलित हुए साढ़े तीन हजार और सैंतीस साल से लगातार जारी हादसे में तिल तिलकर मृत हुए करीब 35 हजार लोगों को सही मायने में श्रृद्धांजलि यही होगी कि जो बचे हैं उन्हें बेहतर इलाज और मुआवजे से महरूम रह गए लोगों को उनका हक मिले, वर्ना हर साल बरसी में हम संख्या की एक एक गिरह बढ़ाते जाएंगे, होगा कुछ नहीं। हालांकि यह भी हौलनाक सच है कि गैस कांड की बरसी पर अब मातम के लिए जुटने वालों की तादाद 20 लाख की आबादी वाले भोपाल में ही सैकड़ों से ज्यादा नहीं होती। जाहिर है हम न सबक ले रहे हैं, न हादसे को लेकर गम बचा है। देश में साल 2021 जनवरी से जून तक छह माह में औद्योगिक हादसों में 117 मौतों का आंकड़ा बताता है कि न जाने कितने भोपाल सतत घट रहे हैं। आए दिन गैस रिसाव के हादसे सामने आते रहते हैं । कोई नहीं जानता कि 39 साल पहले 2 और 3 दिसम्बर की दरम्यानी रात घटे भोपाल हादसे की उम्र कितनी लंबी होगी, संततियां विकलांग और बीमार पैदा होने की बात तो आईसीएमआर की पहली रिपोर्ट में हादसे के तीन बरस बाद ही 1987 में बता दी थी। हादसे में रिसी गैस को मिथाइल आइसोसाइनाइड इंगित करने वाली यह रिपोर्ट बताती है कि गर्भवती स्त्रियों में से 24.2 प्रतिशत गर्भपात का शिकार हो गई थीं। जो जन्में उनमें से 60.9 प्रतिशत शिशु भी ज्यादा दिन जीवित नहीं रह सके। मौत के पंजे से बच निकले शिशुओं में से भी 14.3 प्रतिशत शिशु दुनिया में शारीरिक विकृति लेकर आए। यह विकृति भी उन शिशुओं में ज्यादा पाई गई जो गैस रिसाव के समय गर्भ में तीन से लेकर नौ माह तक की अवस्था में थे। इतना ही नहीं हादसे के वक्त पांच बरस तक के रहे बच्चों पर भी गैस का घातक असर हुआ। वे उम्र बढ़ने के साथ ही सांस की तकलीफ के बढ़ने का शिकार भी हुए। यानी आज जो 39 बरस से 46 बरस की उम्र के गैस पीड़ित हैं, उनकी तकलीफें मुसलसल जारी हैं। यह भी दहला देने वाली हकीकत है कि राज्य सरकार के मेडिको लीगल संस्थान में गैस हादसे के पीड़ितों के सैंपल तक सुरक्षित नहीं रह पाए। सियासत की बात करें तो उस वक्त की सूबे की और केंद्र की सरकारों ने क्या किया था, जबकि उन्हें करना क्या चाहिए था? यह सवाल अब तक अनुत्तरित हैं। दोनों ही कांग्रेस की सरकारें थीं। प्रधानमंत्री थे राजीव गांधी और मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह। सरकारों ने गिरफ्तार आरोपी वारेन एंडरसन को सुरक्षित और सम्मान सहित अमेरिका जाने का इंतजाम किया था। इस पर सियासत से लेकर बौद्धिक बहसों के अनेक कारवां गुजर चुके हैं। भाजपा तो भोपाल में बकायदा गैस हादसे और पीड़ितों की समस्या को दो दशक तक चुनावी मुद्दा बनाती रह चुकी है।

आख्यानों में अनंत काल से दोहराई जा रही हैं दास्तानें

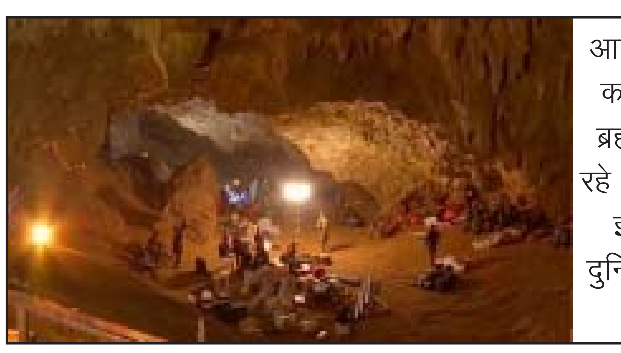

> आप तुरंत समझ जाएंगे कि आप कहानी के किस बिंदु पर हैं, कौन–सी घटनाएं घट चुकी हैं और कहानी कहां खत्म होगी। इसी तरह संपूर्ण अस्तित्व को एक ही बिंदु में समाहित किया जा सकता है। यह पूरा ब्रह्मांड एक कहानी है, जो शुरू से अंत तक एक ही समय में मौजूद है। आप जिस पल का अनुभव कर रहे हैं, वह पृष्ठ खुल चुका है। हर बिंदु में पूरी कहानी समाहित है। हम सभी एक ही कहानी के हिस्से हैं। इससे कहानियों की गहरी प्रकृति का पता चलता है। कहानियां सुनाना वास्तविकता से बाहर आभासी दुनिया बनाने के लिए कल्पना का उपयोग करने की एक महत्वपूर्ण और अद्वितीय मानवीय क्षमता है। अभी तक इस बात का सबूत नहीं है कि पृथ्वी पर किसी अन्य प्रजाति के पास यह शक्ति है।

गुलाम अहमद

किस्सागोई की जादुई दुनिया निराली है। बचपन में सुने बाबा–दादी या नाना–नानी के किस्से–कहानियां तो सभी की यादों में बसे होते हैं। आखिर क्या खास होता था, उन कहानियों में? दरअसल, उन कहानियों को सुनाने का अंदाज इतना दिलचस्प होता था, मानो दृश्य आखों के सामने चल रहे हों। ये किस्से ही बाद में यादों के स्टेशन बन जाते हैं, जो जिंदगी में सुकून ढूंढने वालों को पनाह देते हैं। ये कहानियां मनुष्य की शुरुआती सभ्यताओं से जुड़ी हैं। कुछ शोधकर्ताओं का मानना है कि भाषा की उत्पत्ति दो करोड़ साल से भी ज्यादा वक्त पहले हुई थी, जबकि लेखन का अस्तित्व करीब 3,200 ईसापूर्व का है। सदियों पुराने गुफा चित्र, प्राचीन चर्म पत्रों में उल्लिखित प्राचीनतम कहानीध्कविताओं से विकसित होता हुआ साहित्य वर्तमान दौर में पहुंच गया है। तो इस सवाल का जवाब, कि हम कहानियां क्यों सुनते हैं, ये होगा कि क्योंकि हम इंसान हैं। हम कहानियां सुनाते हैं, जिससे हम ज्यादा मानवीय बनते हैं। कहानी सुनाना उस प्राचीन बटन को दबाने जैसा होता है, जिससे हम उस प्राचीन मूल मनुष्य की तरह बनते हैं, जो कारणों और उद्देश्यों की तलाश करते हुए खुद की खोज करने वाला है। मनुष्य का मन चीजों को संबंध के आधार पर समझता है। मन में आया हुआ हर विचार मनुष्यता का हायपरलिंक होता है, जो हमें वास्तविकता का विश्लेषण करने की अनुमति देता है। कोई कहानी एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक की प्रगति है, जो इसमें शामिल तथ्यों व घटनाओं को समझाती है। आप अपनी पसंदीदा पुस्तक का कोई पृष्ठ एकाएक खोलें और जो पहला वाक्य आपको दिखे, उस पर गौर करें। आप तुरंत समझ जाएंगे कि आप कहानी के किस बिंदु पर हैं, कौन–सी घटनाएं घट चुकी हैं और कहानी कहां खत्म होगी। इसी तरह संपूर्ण अस्तित्व को एक ही बिंदु में समाहित किया जा सकता है। यह पूरा ब्रह्मांड एक कहानी है, जो शुरू से अंत तक एक ही समय में मौजूद है। आप जिस पल का अनुभव कर रहे हैं, वह पृष्ठ खुल चुका है। हर बिंदु में पूरी कहानी समाहित है। हम सभी एक ही कहानी के हिस्से हैं। इससे कहानियों की गहरी प्रकृति का पता चलता है। कहानियां सुनाना वास्तविकता से बाहर आभासी दुनिया बनाने के लिए कल्पना का उपयोग करने की एक महत्वपूर्ण और अद्वितीय मानवीय क्षमता है। अभी तक इस बात का सबूत नहीं है कि पृथ्वी पर किसी अन्य प्रजाति के पास यह शक्ति है। कहानियों द्वारा बनाई गई आभासी दुनिया विचारों की प्रयोगशाला की तरह होती है, जिसमें प्रकृति विभिन्न चरम स्थितियों में काम कर सकती है। जब कई लोग एक कहानी सुन रहे होते हैं, तो वे एक साथ एक आभासी ब्रह्मांड में प्रवेश करते हैं। जब तक लोग सांस लेंगे, बोलेंगे, लिखेंगे तब तक, कहानियां सुनाएंगे। कहानियां तब से मौजूद हैं, जब मनुष्य के पास उन्हें सुनाने की क्षमता भी नहीं थी। आदिम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी की जटिलताओं और उनके बीच भावनाओं के आदान–प्रदान ने कहानियों का निर्माण किया होगा। जब मनुष्यों ने बातचीत करना और सामाजिक संबंध बनाना शुरू कर दिया, तब कहानियों में जीवंतता आती गई और ये मनोरंजन और शिक्षा देने के उद्देश्यों को भी पूरा करने लगीं। मनुष्य सभ्यता के हर अंग में कहानियां उसकी सबसे भरोसेमंद साथी बनती आई हैं। बच्चों को जो कहानियां सुनाई जाती हैं, उनमें परिवार, पड़ोसी, खेत, पुस्तकें, न्याय, संस्कार, विश्वास, अच्छाई, बुराई, बुद्धि, अज्ञान, प्रकृति इत्यादि विषय हमेशा से मौजूद रहे हैं। समय के साथ इन कहानियों को सुनाने का तरीका बेशक बदल जाता हो, लेकिन कहानियों में छिपा संदेश हमेशा एक जैसा ही रहता है। अनगिनत व्यक्तिगत कहानियां एक साथ मिलकर मानवीय ज्ञान और भावनाओं की सामूहिक कहानी बनती हैं। कुछ कहानियां छोटी, तो कुछ लंबी, कुछ अस्पष्ट, तो कुछ अधूरी होती हैं। लेकिन ये सभी कहानियां हमारे विकास का हिस्सा हैं। दुनिया का हर व्यक्ति एक कहानी है, जो जिंदगी को समझने का एक नया नजरिया देती है। जिंदगी दरअसल इसलिए ही अबूझ है, क्योंकि इसे समझने का नजरिया हर व्यक्ति का अलग–अलग होता है। इसके अलावा, हर एक व्यक्ति की कहानी, दूसरी तमाम कहानियों से गुंथी होती है। ऐसे में, हर एक कहानी कहीं न कहीं आपकी कहानी का ही हिस्सा होती है। ये कहानियां हमें जिंदगी का उद्देश्य खोजने और हमारे जीवन में परिपूर्णता लाने में मदद कर सकती हैं, अगर कोई उनसे सीखना चाहे तो। शायद इसीलिए कहानियों को पीढ़ियों तक संजोकर रखे जाने का रिवाज मिलता है। कहानियां हमें खुद की दुनिया से बाहर निकलने और नई वास्तविकताओं का नए जोश के साथ सामना करने की सामर्थ्य देती हैं। जिंदगी दरअसल एक बुफे की तरह है, जिसमें तरह–तरह के व्यंजन हमारे सामने पेश होते हैं। कुछ हम खाते हैं, कुछ खाकर छोड़ देते हैं और कुछ हम अपनी प्लेट में लेते ही नहीं हैं। रेस्तरां में शायद हम कभी इतने व्यंजनों का ऑर्डर न दें। यही जिंदगी की खूबसूरती है कि यह विकल्प देती है। लेकिन दुर्भाग्य से, हम अक्सर बड़ी तस्वीर पर ध्यान केंद्रित करने में इतने मशगूल हो जाते हैं, कि उन छोटे, लेकिन उतने ही कीमती क्षणों को भूल जाते हैं, जो हमारी कहानियों को आकार देते हैं। कहानियां जीवन की विरासत हैं, जो हर दिन, हर मिनट और हर सेकंड प्रकट होती हैं। कहानियां हमारे लिए सामूहिक अनुभवों का खजाना छोड़ती हैं। अगर हम इन अपरिहार्य विरासतों के लिए दिल और दिमाग को खोलते हैं, तो ये हमारी जिंदगी को गहराई से समृद्ध करती हैं। संगीत और गति सार्वभौमिक हैं। मिथक और किवदंतियां भी सार्वभौमिक हैं। कहानियों के जरिये मिथकों व किवदंतियों में निहित गहरी सच्चाइयां समझ में आने लगती हैं। हालांकि, मनुष्य का गहनतम हिस्सा इन सच्चाइयों को पहले से जानता है। कहानियां मनुष्य को पुनरू स्मरण कराती हैं, और, इसी में उसे संतुष्टि मिलती है। हम कहानियां इसलिए सुनाते हैं, क्योंकि हम चीजों में, और इस बहाने जिंदगी में पैटर्न ढूंढते हैं। कहानी सुनाना एक कला भी है और विज्ञान भी। अव्यवस्थित दिखने वाली चीजों में पैटर्न ढूंढ लेता है, वह कलाकार है और वैज्ञानिक भी है। ये पैटर्न दरअसल भौतिक व आध्यात्मिक दुनिया के तर्क हैं। कहानियां इन दोनों दुनियाओं के तर्कों को एक–दूसरे के सामने स्पष्ट करती हैं। ये पैटर्न समझाते हैं, जोड़ते हैं, रिक्त स्थानों को भरते हैं और चीजों को समझने की दिशा में एक कदम देते हैं। कहानियां बताती हैं कि हम खुद को पूर्ण कैसे बना सकते हैं। आप तुरंत समझ जाएंगे कि आप कहानी के किस बिंदु पर हैं, कौन–सी घटनाएं घट चुकी हैं और कहानी कहां खत्म होगी। इसी तरह संपूर्ण अस्तित्व को एक ही बिंदु में समाहित किया जा सकता है। यह पूरा ब्रह्मांड एक कहानी है, जो शुरू से अंत तक एक ही समय में मौजूद है। आप जिस पल का अनुभव कर रहे हैं, वह पृष्ठ खुल चुका है। हर बिंदु में पूरी कहानी समाहित है। हम सभी एक ही कहानी के हिस्से हैं। इससे कहानियों की गहरी प्रकृति का पता चलता है। कहानियां सुनाना वास्तविकता से बाहर आभासी दुनिया बनाने के लिए कल्पना का उपयोग करने की एक महत्वपूर्ण और अद्वितीय मानवीय क्षमता है। अभी तक इस बात का सबूत नहीं है कि पृथ्वी पर किसी अन्य प्रजाति के पास यह शक्ति है। कहानियों द्वारा बनाई गई आभासी दुनिया विचारों की प्रयोगशाला की तरह होती है, जिसमें प्रकृति विभिन्न चरम स्थितियों में काम कर सकती है।

अब राजनीतिक प्रचार का माध्यम बन गया संगीत

हाल के वर्षों में हिंदुत्व पर अनेक किताबें आई हैं और पत्रिकाओं में भी बहुत कुछ छपा है। इन सबमें हिंदुत्व की व्याख्या करने के साथ–साथ भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्थान का औचित्य ठहराया गया है। कुछ ने सांगठनिक विषय पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए बताया है कि जमीनी स्तर पर सोशल नेटवर्क स्थापित कर किस तरह इन्होंने पार्टी के लिए वोट बैंक तैयार किया है। कुछ दूसरे लोगों ने विचारधारा की भूमिका, हिंदुत्व के प्रति गर्व करने की सोच और अल्पख्यकों के विनाश पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। कुछ दूसरे लोगों ने जीवनी लेखन का रास्ता अपनाया और हिंदुत्व के उत्थान में गोलवलकर, सावरकर, वाजपेयी, आडवाणी और मोदी की भूमिकाओं पर किताबें लिखीं। हिंदुत्व पर अब इतनी किताबें आ चुकी हैं कि एक लाइब्रेरी भर जा सकती है। लेकिन अब भी इसमें नवाचार और दक्षता की गुंजाइश है। पिछले महीने आई एक किताब में ये दोनों गुण हैं। इस पुस्तक का नाम है– एच पॉप रू द सीक्रेटिव वर्ल्ड ऑफ हिंदुत्व पॉप स्टार्स। इसके लेखक मुंबई के एक युवा कुणाल पुरोहित हैं। हालांकि मैं इनसे कभी नहीं मिला, न ही इनके बारे में सुना, इसके बावजूद इस पुस्तक की एक सॉफ्ट कापी पिछले दिनों मेरे इनबॉक्स में आई। जितना मैं जानता हूं, एच पॉप पहली किताब है, जिसमें दक्षिणपंथी हिंदुओं द्वारा पॉपुलर कल्चर का इस्तेमाल करने और गाली देने की गहन पड़ताल की गई है। इसमें आए चरित्रों को सावधानीपूर्वक उकेरा गया है। संगीतकारों पर जो कुछ लिखा गया है, वह इस किताब को बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें कुछ संगीतकारों द्वारा प्रयोग किए शब्दों और उनकी भावनाओं का विश्लेषण किया गया है कि कैसे वे मुस्लिमों को अमानवीय बताते हैं। हालांकि यह किताब संगीत के अलावा हिंदुत्व से प्रभावित कविताओं और पुस्तकों का भी विश्लेषण करती है। तुलनात्मक अध्ययन कुणाल पुरोहित की इस किताब की खासियतों में से एक है। लेखक दक्षिणपंथी पॉप कल्चर की ताजा वैश्विक प्रवृत्ति से परिचित है, जो भारतीय दक्षिणपंथी संगीत के उसके विश्लेषण को व्यापक बनाता है। यह किताब जर्मन नाजियों, इटली के फासिस्टों, रवांडा में जनसंहार को अंजाम देने वाले अल कायदा और समकालीन यूरोप व उत्तर अमेरिका में श्वेत वर्चस्ववादियों द्वारा गीतों और कविताओं के जरिये सुनियोजित तरीके से प्रोपोगैंडा फैलाने के बारे में बताती है। मैं नहीं जानता कि पुरोहित गीत लिखते या संगीत सुनते हैं या नहीं। लेकिन निश्चित रूप से संगीत में उनकी गहरी रुचि है। पुरोहित ने जिन गीतों की पड़ताल की है, वे बताते हैं कि हिंदुओं ने अतीत में कैसे कथित खतरनाक दुश्मनों का सामना किया है और अब भी कर रहे हैं। यहां एक गाने की कुछ पंक्तियां पेश हैं, जिन्हें एक हरियाणवी गायक ने गाया है वंदे मातरम गाना होगाध्वर्ना यहां से जाना होगाध नहीं गए तो जबरन तुझे भगा देंगेध हम तुझको तेरी औकात बता देंगे। कुछ दूसरे गीत भी हैं, जो मुस्लिम आक्रमणकारियों की बर्बरता उजागर करते हैं। पुरोहित द्वारा उद्धृत एक कविता में जोगराज सिंह गुर्जर नामक एक काल्पनिक योद्धा का जिक्र है, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने तैमूर की सेना को हराकर उसे हरिद्वार की सीमा पर ही रोक दिया था। इस मनगढंत कहानी को एक वीडियो के रूप में ढालकर उसे उत्तर प्रदेश के 2022 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अभिनेत्री कंगना रनौत द्वारा अपने फेसबुक पेज पर साझा किया गया था, जिसमें रनौत ने अपने फॉलोअर्स से आह्वान किया था कि वे तैमूर लंग को परास्त करने वाले इस शक्तिशाली गुर्जर राजा की कहानी को ज्यादा से ज्यादा शेयर करें। अपने संदेश में उन्होंने लिखा, 'सभी मतदाताओं से मैं अपील करती हूं कि वे हमारे बहादुर पूर्वजों के बलिदान का सम्मान करें और मतदान वाले दिन हमारे राष्ट्र की सुरक्षा के लिए मतदान करें।' दरअसल, जिन गीतों ने एच–पॉप को आकार दिया है, उनका उद्देश्य है कि अतीत को दोबारा लिखा जाए, ताकि मुस्लिमों को विश्वासघाती और हिंदुओं को बहादुर व महान के रूप में चित्रित किया जा सके। ये गीत श्रोताओं से उम्मीद करते हैं कि वे अपनी तार्किक बुद्धि को परे रखकर सिर्फ भावनाओं का उपयोग करें। ताकि, जैसा पुरोहित कहते हैं, 'हिंदुत्व को जीवित रखने और फलने–फूलने के लिए लगातार नए दुश्मन पैदा किए जाते रहें।' इनमें से कई गीत व कविताएं मुस्लिमों की आबादी बढ़ने से उपजे अतार्किक डर को बढ़ावा देते हैं। इनमें इस झूठ को हवा दी जाती है कि मुस्लिम इतनी तेजी से अपनी आबादी बढ़ा रहे हैं ।

आखिर कहा जाए युवा मन आत्महत्या के अलावा कोई रास्ता नहीं।

बिहार की काजल कुमारी जी ने आत्म हत्या के बढ़ते हुए मामले को देखते हुए कुछ युवाओं से बातचीत की तो पता चला वोआर्थिक और मानसिक दोनों ही रूप से कितने परेशान हैं । काजल कुमारी ने इस पर अपने विचार व्यक्त किए उन्होने कहा आखिर कहां जाए युवा मन आत्म हत्या के सिवा कोई रस्ता दिखता ही नही है। अपने मन को समझाते बुझाते युवा आखिर कब तक भाग्य भरोसे रहेगा। अपनों से तिरस्कृत और मन से परेशान युवा सब कुछ होते हुए भी अपने को ठगा सा महसूस करता है। हद तो तब हो जाती है जब किसी समारोह में सब मिलते हैं और एक दूसरे से घुल मिलकर बात करते हैं लेकिन उस वक्त उस युवा पर क्या बीतती है, यह वही जानता है। काजल कुमारी जी ने कहा ऐसे में कई बार नहीं चाहते हुए भी वह उधर कदम बढ़ाने को मजबूर हो जाता है जहां शायद कोईसभ्य पुरूष जाने की भी नहीं सोचता या फिर ऐसी संगत में बैठता है जो बदनाम ही करती हो।ख्वाहिशें अपार, अरमान हजार हर लड़की और उसके पिता की ख्वाहिश से आप और हम अच्छी तरह परिचित हैं। पुत्री के बनने वाले जीवनसाथी का खुद का घर हो, कार हो, परिवार की जिम्मेदारी न हो, घूमने फिरने और आज से युग के हिसाब से शौक रखता हो और कमाई इतनी तगड़ी हो कि सारे सपने पूरे हो जाएं, तो ही बात बन सकती है। हालांकि सभी की अरमान ऐसे नहीं होते लेकिन चाहत सबकी यही है। शायद हर लड़की वाला यह नहीं सोचता कि उसका भी लड़का है तो, क्या मेरा पुत्र किसी ओर के लिए यह सब पूरा करने में सक्षम है? यानि एक गरीब बाप भी अपनी बेटी की शादी एक अमीर लड़के से करना चाहता है और अमीर लड़की का बाप तो अमीर से करेगा ही। ऐसे में सामान्य परिवार के लड़के का क्या होगा? यह एक चिंतनीय विषय सभी के सामने आ खड़ा हुआ है। संबंध करते वक्त एक दूसरे का व्यक्तिव व परिवार देखना चाहिए ना कि पैसा। कई ऐसे रिश्ते भी हमारे सामने है कि जब शादी की तो लड़का आर्थिक रूप से सामान्य ही था मगर शादी बाद वह आर्थिक रूप से बहुत मजबूत हो गया। ऐसे भी मामले सामने आते है कि शादी के वक्त लड़का बहुत अमीर था और अब स्थिति सामान्य रह गई। इसलिए लक्ष्मी तो आती जाती है ये तो नसीबों का खेल मात्र है।क्यों नहीं सोचता समाज, समाजसेवा करने वाले लोग आज अपना नाम कमाने के लिए लाखों रुपए खर्च करने से नहीं चूकते लेकिन बिडम्बना है कि हर समाज में बढ़ रही युवाओं की विवाह की उम्र पर कोई चर्चा करने की व इस पर कार्य योजना बनाने की फुर्सत किसी को नहीं है। कहने को हर समाज की अनेक संस्थाएं हैं वे भी इस गहन बिन्दु पर चिंतित नजर नहीं आता है।हो सकता है इस मुद्दे पर समाज में पहले कभी चर्चा हुई हो लेकिन उसका ठोस समाधान अभी नजर नहीं आता। तो क्यों नहीं बीड़ा उठाएं कि एक मंच पर आकर ऐसे लड़कों व लड़कियों को लाएं जो बढ़ती उम्र में हैं और समझाइश से उनका रिश्ता कहीं करवाने की पहल करें। यह प्रयास छोटे स्तर से ही शुरू हो। रोशन भारत का हर समाज के नेतृत्वकर्ताओं से अनुरोध है कि वे इस गंभीर समस्या पर चर्चा करें और एक ऐसा रास्ता तैयार करें जो युवाओं को भटकाव के रास्ते से रोककर विकास के मार्ग पर ले जा सकें। स्वार्थ न समझकर परोपकार समझ कर सहयोग करें!!!

काजल कुमारी
क्राइम इंस्पेक्टर

अयोध्या रायबरेली राजमार्ग पर स्थित इनायत नगर बाजार के ब्लॉक गेट पर हुआ हादसा

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। अयोध्या रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित इनायत नगर थाना क्षेत्र के इनायत नगर बाजार स्थित ब्लाक गेट पर तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ट्रेलर ने बाइक सवार दो युवकों को पीछे से जोरदार टक्कर मारकर, बाइक सवार दोनों युवकों को रौंदते हुए मौके से भाग निकला। हादसे में बाइक सवार 20 वर्षीय अर्जुन की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक चालक 20 वर्षीय अंकित गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को पंचायत नामा कराने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बता दें कि बीकापुर कोतवाली के रूरू खांस गांव निवासी गांव निवासी अंकित कुमार रविवार को इनायत नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत आस्तीकन के जमुआ गांव निवासी अर्जुन के घर आए थे। वहां से दोनों युवक बाइक पर सवार होकर कुमारगंज स्थित अपने किसी रिश्तेदार के घर जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। सोमवार की सुबह लगभग 8 बजे दोनों युवक बाइक से अपने घर वापस लौट रहे थे।

बाइक सवार दोनों युवक इनायत नगर बाजार स्थित ब्लॉक मुख्यालय गेट के सामने पहुंचे ही थे तभी पीछे से तेज रफ्तार 18 चक ट्रक ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार कर बाइक समेत दोनों युवकों को रौंद दिया।

जिससे बाइक सवार 20 वर्षीय अर्जुन पुत्र संतलाल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

वही बाइक चालक 20 वर्षीय अंकित कुमार पुत्र बब्बन गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्थानीय लोगों द्वारा घायल युवक को इलाज के लिए सीएचसी मिल्कीपुर पहुंचाया गया। जहां मौजूद डॉक्टर जेपी विश्वकर्मा ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर शव का पंचायत नामा कराने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वहीं स्थानीय लोगों की माने तो घटना कारित ट्रक ट्रेलर को ग्रामीण व सुबह मार्निंग वॉक पर निकले लोगों द्वारा रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन चालक ट्रक ट्रेलर को तेज गति से भगाया तब स्थानीय लोगों द्वारा पथराव भी किया गया लेकिन चालक ट्रक ट्रेलर को लेकर मौके से भाग निकला। प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार सिंह ने बताया ट्रक ट्रेलर का पता लगा लिया गया है। मृतक के भाई दुर्गेश लाल पुत्र संतलाल कोरी की तहरीर पर चालक व ट्रक ट्रेलर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज करके चालक तथा वाहन की तलाश की जा रही है।

अयोध्या भव्य राममंदिर का निर्माण को लेकर आंध्र प्रदेश की भक्त वत्सल समिति लगातार दीपक जला रही है।

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।संकल्प के तहत इस वर्ष समिति ने 1 करोड़ 10 लाख दीपक जलाने का दावा किया है। राममंदिर निर्माण पूरा होने तक 5 करोड़ दीपक जलाने का लक्ष्य लिया है। अपने संकल्प को लेकर समिति के सदस्य अयोध्या पहुंचे। यहां राम की पैड़ी पर दीपक जलाया।

आंध्र प्रदेश की रहने वाली धनलक्ष्मी ने कहा कि राम मंदिर के पक्ष में फैसला आने के बाद समिति ने लगातार दीपक जलाने का निर्णय लिया। तब से समिति के सभी सदस्यों के द्वारा लगातार दीपक जलाया जा रहा है। इस साल समिति के सभी सदस्यों की संख्या मिलाकर 1 करोड़ 10 लाख दीपक जलाया जा चुका है। हमने राममंदिर निर्माण पूरा होने तक 5 करोड़ दीपक जलाने का लक्ष्य लिया है। वहीं समिति के सदस्य शेष गिरी राव ने बताया कि राममंदिर निर्माण जल्द हो इसलिए समिति लगातार दीपक जला रही है। राम की पैड़ी पर दीपक जलाने के दौरान राज्य लक्ष्मी, पद्मावती, लक्ष्मी कुमारी, श्यामलता, पद्मा, विजय वान्टी रजनी रानी, श्री निवास पद्मावती, सरोज, वाणीक्षी, राजेन्द्र, शिव कुमारी, रंजीता, लता के साथ 40 सदस्य मौजूद रहें एडवोकेट उपस्थित रहे।

एएमए हर्बल लेबोरेटरीज ने क्षतिग्रस्त बालों के देखभाल के लिए किया ट्राइकोवेल सीरम लॉन्च

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊरू भारत में हर्बल प्रोडक्ट्स के उत्पादन में अग्रणी कंपनी एएमए हर्बल लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड ने अपने ब्रांड वेजिटल बायोएक्टिव्स (डर्मा केयर) के तहत ट्राइकोवेल सीरम के लॉन्च की घोषणा की है। यह सीरम, बालों को पोषण देने के साथ–साथ पर्यावरणीय कारकों, हीट स्टाइलिंग और केमिकल ट्रीटमेंट से क्षतिग्रस्त बालों को नया जीवन प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।

ट्राइकोवेल को रेस्टोरेटिव विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट जैसे आवश्यक इंग्रेडिएंट्स के मिश्रण से तैयार किया गया है, जो बालों को जड़ से सिरे तक पोषण देने का काम करते हैं।

ट्राइकोवेल सीरम एक बेहद प्रभावशाली प्रोडक्ट है जो क्षतिग्रस्त बालों को पुनर्जीवित करने में मदद करता है। यह सीरम सूखे, टूटे हुए सिरों को मोटा और चिकना बनाने, बालों को धूप से होने वाले नुकसान और स्टाइलिंग प्रोडक्ट की परत जमा होने से रोकने, बालों को टूटने से बचाने के लिए और उन्हें स्वस्थ, मजबूत, रेशमी और चमकदार बनाने में मदद करता है।

ट्राइकोवेल सभी प्रकार के बालों की बनावट और प्रकार के लिए उपयुक्त है। इसे शॉवर के बाद गीले बालों पर लगाकर स्टाइल करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। अधिक गहन कंडीशनिंग के लिए, तौलिये से बालों को सुखाकर थोड़ी मात्रा में लगाकर छोड़ा जा सकता है।

एएमए हर्बल लेबोरेटरीज के को–फाउंडर और सीईओ श्री यावर अली शाह ने कहा, ष्हम ट्राइकोवेल को बाजार में पेश करके बेहद उत्साहित हैं। यह इनोवेटिव सीरम उन लोगों के लिए एकदम उपयुक्त प्रोडक्ट है, जो अपने बालों के प्राकृतिक स्वास्थ्य और सुंदरता को वापस पाना चाहते हैं। प्रभावशाली अवयवों के साथ, ट्राइकोवेल किसी भी तरह के बालों की देखभाल के लिए बेहद जरूरी सीरम है।

रामलीला मैदान में गीता ज्ञान प्रसार यात्रा व विराट सम्मेलन 17 को

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। नगर की बौद्धिक व आध्यात्मिक संस्था गीता– गोष्ठी के तत्वावधान में 23वां गीता ज्ञान प्रसार यात्रा व विराट सम्मेलन का आयोजन मालवीय नगर स्थित रामलीला मैदान में किया जा रहा है। सम्मेलन की चल रही तैयारियों को व्यवस्थित रूप देने के लिए रविवार को देर सायं गोष्ठी के संस्थापक सदस्य जनार्दन सिंह की अध्यक्षता एवं प्रमुख विचारक उत्तम कुमार शुक्ल के संचालन में आयोजित बैठक में विचार विमर्श किया गया।

बैठक में सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए गीता सम्मेलन के आयोजक इंजी. सुरेश कुमार दूबे ने लखनऊ से दूरभाष से सम्बोधित करते हुए कहा कि विराट गीता सम्मेलन के 23वें आयोजन में हरिद्वार के विद्वान संत स्वामी विवेकानंद सरस्वती, वाराणसी के राजर्षि गांगेय हंस सरस्वती, अयोध्या के योगाचार्य डा. चौतन्य प्रमुख वक्ता के रूप में गीता के वैश्विक महात्म्य पर प्रकाश डालेंगे। सम्मेलन में प्रसिद्ध संगीतकार किरन पाण्डेय व प्रतीति पाण्डेय गीत गायन की प्रस्तुति देंगी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जनार्दन सिंह ने सभी गीता प्रेमियों का आह्वान करते हुए कहा कि सम्मेलन में श्रद्धालुओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए हमें प्रत्येक परिवार में पत्रक भेजकर उन्हें 17 दिसंबर को प्रातः 10 बजे शोभा यात्रा व 12 बजे से सम्मेलन में प्रतिभाग कराने का संकल्प लेना होगा।

इस मौके पर पंकज मिश्र , रमेश दूबे, राजेश दूबे , पंकज दूबे , आर जे शुक्ल, अशोक जायसवाल , प्रदीप शर्मा, राम सेवक सिंह, उमानाथ तिवारी ब्रह्मानन्द पाण्डेय, शिवांग जायसवाल पं. संजीव शर्मा, राम अनुज दूबे मौजूद रहे।

राष्ट्रीय राजधानी में महाप्रभु जी योग वीर सम्मान 2023 से विभूषित हुए योग शिक्षक व शिक्षिकाएं

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नई दिल्ली। श्री योग अभ्यास आश्रम ट्रस्ट (SYAAT) एवं अखिल भारतीय योग शिक्षक महासंघ (ABYOGASMS FOUNDATION) के संयुक्त तत्वावधान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ सम्मान समारोह श्री योग अभ्यास आश्रम ट्रस्ट के प्रधान योगाचार्य एवं अंतर्राष्ट्रीय योगगुरु स्वामी अमित देव जी के सान्निध्य तथा अखिल भारतीय योग शिक्षक महासंघ राष्ट्रीय अध्यक्ष योगगुरु योगाचार्य मंगेश त्रिवेदी जी के दिशा निरदेश में सैकड़ो योग शिक्षकों एवं विशिष्ट योग गुरुओं को 'महाप्रभु जी योग वीर सम्मान 2023' से सम्मानित देश की राजधानी दिल्ली के तिलक नगर स्थित योगेश्वर देवीदयाल महामंदिर में किया गया। उत्तर प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, हरियाणा व अन्य कई जिलों से योग शिक्षकों ने आकर अपना सम्मान ग्रहण किया। अजय मिश्र 'केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री' ने वर्च्युल द्वारा कार्यक्रम की सफलता की बधाई दी, श्री राजऋषि वेदमूर्ति आचार्य पवन दत्त मिश्र जी महाराज 'हरिद्वार' ने अपने गुरुदेव निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडेलश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि जी महाराज (जो कि श्री योग अभ्यास आश्रम ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक भी है) इन्होंने संस्था के कार्यों को सराहते हुए मंत्रों की ध्वनि के साथ सबकी मंगल कामना की।, भाजपा के वरिष्ठ नेता ओपी बब्बर , भाजपा दिल्ली प्रदेश के उपाध्यक्ष राजीव बब्बर ने आकर बताया कि हम तो बचपन से ही तिलक नगर योग आश्रम से योग एवं आध्यात्मिक शिक्षा ले रहे हैं। वह अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मनोनीत कराने के लिए पूर्व विदेश मंत्री स्वर्गीय सुषमा स्वराज जी के साथ जाकर यू.एन.ओ. के सेक्रेटरी को भी अपनी आंखों के सामने पद्मासन पर बैठते हुए देखा वह बड़ा खुशी का पल है। श्री राजीव बब्बर जी ने कहा कि स्वामी अमित देव जी योग का प्रचार प्रसार देश–विदेश में कर रहे हैं। और यह आश्वासन दिया कि मैं और मेरा पूरा परिवार तन–मन–धन से गुरु जी की सेवा में तत्पर हैं। और स्वामी अमित देव जी के कार्यों को सराहा और कहा कि हम हमेशा आपके साथ हैं। 135 वर्षों से यह संस्था मानव मात्र के कल्याणार्थ योग के कार्यरत है। जो कि योग योगेश्वर महाप्रभु रामलाल जी भगवान, योग योगेश्वर मुलखराज जी भगवान, योग योगेश्वर देवीदयाल जी महादेव, योग योगेश्वर सुरेन्द्र देव जी महाराज के पदिचन्हों पर चल रहे है। योग गुरु स्वामी अमित देव जी ने विस्तार से बताया कि योग करना क्यों जरूरी है? जैसे घर की सफाई करना जरूरी है वैसे ही अपने शरीर की सफाई करना भी बहुत जरूरी है। जिससे आप बीमारियों से मुक्त रहे और स्वस्थ जीवन व्यतीत करें। किसी योग व आसन को देख व पढ़कर न करें। ऐसे में उस योग व आसन का फायदा न मिलकर हानि हो सकती है। इसलिए किसी योग व आसन को किसी गुरु के सान्निध्य में करना चाहिए।

योगाचार्य विनय भाटिया जिन्होंने सूत्रनेति, गज क्रिया एवं नासिका द्वारा दूध पीकर सबको अचंभित भी कर दिया। वही मनोज जोशी ने वस्त्र धौति को अपने मुंह में सबके सामने धारण किया और पुनः निकाल दिया सभी यह देखकर दंग रह गए। जिसका विख्यान स्वामी अमित देव जी द्वारा किया गया। तथा इसके साथ–साथ उन्होंने योगाचार्य मंगेश त्रिवेदी जी को श्री योग अभ्यास आश्रम ट्रस्ट का राष्ट्रीय सह–सचिव नियुक्त किया। हरिद्वार से आए आचार्य जी ने भी अपने ऊपर किए गए योग के एक्सपेरिमेंट को विस्तार से बताया। और चंडीगढ़ से आए बाबा हरजीव सिंह ने भी आकर स्वामी अमित देव जी का साथ देने का वादा किया। ष्छव के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंनत बिरादर जी, योगा पीस संस्थान के योगाचार्य ढाका राम जी, वरिष्ठ पत्रकार आयुष मिश्रा , आर्यकन्या महिला महाविद्यालय लखीमपुर की प्राचार्या सुरचना त्रिवेदी, सुलस्य योग केंद्र के संस्थापक प्रणव सुलक्ष्य त्रिवेदी, योगा लवर्स ट्रस्ट के संस्थापक सुनील सिंह, सर्वसमृद्धि योग केंद्र की संस्थापक अध्यक्षता योग विशेषज्ञ प्रियंका सिन्हा , मॉडल एवं एक्टर सियाराह , लेखिका नीलिमा ठाकुर , डिजायर ग्रुप के सीईओ संजीव वर्मा, उषा दुबे (गुजरात), अनिल मकवाना (गुजरात), शुभांगी रत्नापारकी (महाराष्ट्र), हेमंत तिवारी (मध्यप्रदेश), माधुरी परमार (महाराष्ट्र), आचार्य राजेश ठक्कर (गोवा), शैलेंद्र कुमार गिरि (बिहार), गौतम दास (आसाम), भोलानाथ नायक (उड़ीसा), संजय तिवारी (मध्यप्रदेश), हर्षा तिवारी (मध्यप्रदेश), संजीव शर्मा (दिल्ली), नीलिमा ठाकुर (दिल्ली), योगिनी मीनाक्षी (दिल्ली), योग गुरु सुनील सिंह (दिल्ली), वर्षा गौतम (दिल्ली), अंकुर तिवारी (दिल्ली), राघवेंद्र पांडे (दिल्ली), योगाचार्य मनीष शर्मा (हरियाणा), राजीव माकन (हरियाणा), नवीन वर्मा (दिल्ली), अभिषेक गोपाल भारती (दिल्ली), प्रियंका सिन्हा (हरियाणा), अनन्त बिरादर (दिल्ली), आयुष मिश्रा (दिल्ली), मीना बिष्ट (दिल्ली), रोहिनी (दिल्ली), मेहर अब्बास (दिल्ली), सोनिया आर्या (दिल्ली), सौरभ तिवारी (दिल्ली), प्रियंका ढींगरा (दिल्ली), अवनीश दुबे (दिल्ली), मधु शर्मा (दिल्ली) डॉ सियाराह (दिल्ली), सौरभ चौधरी (उत्तर प्रदेश), अमर सिंह वर्मा (उत्तरप्रदेश), मधुरेश शर्मा (उत्तर प्रदेश), अनिल श्रीवास्तव (उत्तर प्रदेश), आनंद कुमार (उत्तर प्रदेश), शिवम मिश्रा (उत्तर प्रदेश), अंजु राज (उत्तर प्रदेश), नारेन्द्री देवी (उत्तर प्रदेश), अधिराज त्रिवेदी (उत्तर प्रदेश), अभ्युदय त्रिवेदी (उत्तर प्रदेश), बिन्देश तिवारी (उत्तर प्रदेश), डा सुरचना त्रिवेदी (उत्तर प्रदेश), प्रणव सुलक्ष्य त्रिवेदी (उत्तर प्रदेश), प्रियंका त्रिवेदी (उत्तर प्रदेश), प्रशांत शुक्ला (उत्तर प्रदेश) आदि को कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया। इनके साथ–साथ अलग–अलग स्थान से आए अवॉर्डी– कृष्ण कुमार, कीर्ति, पूनम खन्ना, शशिकांत, आस्था सक्सेना, प्रियंका ढींगरा, अतुल कुमार, अगम मिश्र, पिंकी, अंजलि, नीलम जैन, इंदु सजवाण, पूजा कुमारी, अरिजीत सिंह, प्रीति कुमारी, रितु कुमारी, ज्योति कुमार सिंह, शशिकांत शाक्य, रितिका, नितिका कुमारी खड़का, प्रीति कुमारी, कोमल, नैना, लक्ष्मी गिर, यश सिन्हा, दीपा आदि को महाप्रभु जी योग वीर सम्मान से अलंकृत किया गया।

पुलिस तैनाती व सुरक्षा की एडीजी ने किया समीक्षा

लोकल पुलिस, पीएसी, सीआरपीएफ व एसएसएफ की रहेगी तैनाती

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या राममंदिर में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों में प्रशासन जुट गया है। सोमवार को एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया ने यातायात, पाकिंग व पुलिस तैनाती स्थलों की समीक्षा की। पुलिस लाईन स्थित सभागार में आईजी प्रवीण कुमार, एसएसपी राजकरन नैय्यर व अन्य अधिकारियों के साथ उन्होंने बैठक की।

एडीजी जोन ने कहा कि उत्तर प्रदेश किसी भी बड़े आयोजन को करा पाने में सक्षम है। अगर बड़ा आयेजन है तो व्यवस्थाएं भी बड़ी होंगी। सुरक्षा सौ प्रतिशत सुनिश्चित की जाएगी।

यातायात, पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया गया। पुलिस कर्मियों की तैनाती स्थल को देखा गया। अलग–अलग प्रोफेशनल कैटेगिरी के लोगो के साथ बैठक करनी है। नावों, बस ड्राइवर, टैक्सी व आटो यूनियन के लोगो को अपनी अपेक्षाओं से अवगत कराएंगे। राम की नगरी में जो लोग आए उन्हें अच्छी व्यवस्थाएं मिले। सारे कार्यक्रमों को अच्छी तरीके सम्पादित करा सकें। सुरक्षा को लेकर सभी व्यवस्थाएं फूल प्रूफ की जानी है।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष कानपुर नगर कुलदीप सिंह भदौरिया, नगर महामंत्री संदीप मिश्रा मनोनीत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत में सनातन धर्म की धर्म ध्वजा को निरंतर फहराने वाले संगठन राष्ट्रीय युवा वाहिनी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष हिन्दू देवप्रकाश शुक्ल, राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव अभिषेक द्विवेदी व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ठाकुर विक्रम सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय युवा वाहिनी के कानपुर नगर जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह भदौरिया,व महामंत्री संदीप मिश्रा राष्ट्रीय युवा वाहिनी संगठन से कानपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई। संस्थापक हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने कहा कि हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि देश प्रदेश में संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे। श्री भदौरिया व संदीप मिश्रा के नेतृत्व में हमारा संगठन एक दिशा एवं नई ऊर्जा के साथ पूरे देश मे धर्म ध्वज को फहराने का कार्य करेगा।

नर्सिंग स्टाफ पद की गरिमा के अनुरूप सभी कार्य निष्ठा एवं सत्यता के साथ रोगियों के हित में करे : गिरीश यादव

मेडिकल कालेज में नव चयनित स्टाफ नर्स को नियुक्ति पत्र वितरित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 05 दिसम्बर ।मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी के कर कमलों द्वारा चिकित्सा शिक्षा विभाग के नियंत्रणाधीन मेडिकल कालेजोंध संस्थानों में नवनियुक्त संकाय सदस्यों तथा स्टाफ नर्सो के नियुक्ति पत्र वितरण सम्बन्धी कार्यक्रम 05 दिसम्बर से लोक भवन स्थित आडिटोरियम, उत्तर प्रदेश, सचिवालय, लखनऊ में किया गया।

उक्त कार्यक्रम के क्रम में मेडिकल कालेज जौनपुर में मंगलवार को मेडिकल कालेज के सभागार में नव चयनित स्टाफ नर्स नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि गिरीश चन्द्र यादव राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उ0 प्र0 सरकार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रो0 डा0 शिव कुमार द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत प्रधानाचार्य, प्रो0 डा0 शिव कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डा0 ए0ए0 जाफरी एवं वित्त नियन्त्रक उमाशंकर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ द्वारा सजीव प्रसारण (स्पअम ज्मसम. बेंज) के माध्यम से किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समस्त चिकित्सक एवं प्रशासनिक अधिकारी को अपने दायित्व का निर्वहन ईमानदारी से करना चाहिए जिससे मेडिकल कालेजोंध्संस्थानों का विकास होगा एवं समाज के लोग उनके साथ सम्मान पूर्वक व्यवहार करेंगे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गिरीश चन्द्र यादव, ने नर्सिंग कैडर के अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र देकर उनसे संवाद स्थापित किया। उन्होने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की सरकार में निष्पक्ष भर्तिया की गयी है तथा उन्होने नर्सिंग स्टाफ से आग्रह किया कि वह अपने पद की गरिमा के अनुरूप सभी कार्य निष्ठा एवं सत्यता के साथ रोगियों के हित में करेंगे। सभा को प्रधानाचार्य प्रो0 डा0 शिव कुमार , मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 ए0ए0 जाफरी एवं वित्त नियंत्रक श्री उमाशंकर यादव द्वारा भी संबांधित किया गया। तथा सभा का संचालन सभाजीत द्विवेदी, प्रखर ने किया। इस अवसर पर प्रो0 डा0 रूचिरा सेठी, प्रो0 डा0 आशीष यादव, डा0 उमेश सरोज, डा0 साधना अजय, डा0 सच्चिदानन्द, डा0 सरिता पाण्डेय, डा0 विनोद, डा0 जितेन्द्र, डा0 तुमुल नन्दन, डा0 अरविन्द पटेल, डा0 आदर्श, सुशील, रवि, चन्द्रमणि, राजन, आकाश, आशुतोष एवं अन्य चिकित्सक तथा कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

भाजपा किसान मोर्चा द्वारा नमो कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। भाजपा किसान मोर्चा हरदोई द्वारा आयोजित नमो कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन सी.एस.एन. पीजी कालेज के मैदान में आज किया गया जिसमे मुख्य अतिथि सासंद जय प्रकाश जी एवं विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष श्री अजीत सिंह बब्बन जी रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष विश्वाराज सिंह चौहान ने की।

कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद जय प्रकाश व भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह द्वारा संयुक्त रूप से गुब्बारे उड़ा कर किया गया।कार्यक्रम में कुल आठ टीमों ने भाग लिया जिसमें बालक वर्ग में 5 टीमों एवं बालिका वर्ग में 3 टीमों ने प्रतिभा किया उपरोक्त प्रतियोगिता में बालक वर्ग सी.एस.एन. पीजी कॉलेज हरदोई की ए टीम विजेता और उपविजेता सी.एस.एन. पीजी कालेज की बी टीम रही। वहीं बालिका वर्ग में राष्ट्रीय इंटर कॉलेज टड़ियावां की टीम विजेता और लखनऊ पब्लिक स्कूल माधौगंज की टीम उपविजेता रही। सांसद व भाजपा अध्यक्ष जी द्वारा दोनों वर्गों की विजेता और उपविजेता टीम को 5100 व 3000 रुपये की धनराशि,स्मृति चिन्ह व प्रशस्तिपत्र दीया गया।मैच रेफरी के रूप में हंसराज कुशवाहा, देवेश सिंह हेमा सिंह एवं मैना गुप्ता रहीं। कार्यक्रम में जिलाउपाध्यक्ष संदीप सिंह महामंत्री अनुराग मिश्र किसान मोर्चा के महामंत्री राहुल सिंह नीरज तिवारी जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा कौशल सिंह जिलामंत्री मानवेन्द्रसिंह अमित नारायण शर्मा नगर अध्यक्ष दुष्यंत गुप्ता ,अरुणोदय अवस्थी आदि उपस्थित रहे।

विजेताओं को क्षेत्रीय प्रबन्धक तपन सिन्हा तथा उप क्षेत्रीय प्रबन्धक राजेश गुप्ता के करकमलों से पुरस्कार दिये गए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बैंक ऑफ बड़ौदा लखनऊ मेट्रो क्षेत्र द्वारा अपने सभी स्टाफ सदस्यों तथा उनके परिवारजनो हेतु बड़ौदा अनुभूति कार्यक्रम के अंतर्गत खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सभी आयु वर्ग के बच्चों तथा स्टाफ सदस्यों को ध्यान में रखते हुये क्रिकेट, बैडमिंटन समेत कुल 13 खेलों का आयोजन किया गया। सभी स्टाफ सदस्यों तथा उनके परिवारजनों द्वरा भारी संख्या में उत्साह पूर्वक खेलों में प्रतिभागिता की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेताओं को क्षेत्रीय प्रबन्धक तपन सिन्हा तथा उप क्षेत्रीय प्रबन्धाक राजेश गुप्ता के करकमलों से पुरस्कार दिये गए।

आठ दिसम्बर को अवलोकनार्थ लगाई जाएगी इंस्पायर अवार्ड मानक योजना 2022-23 की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी

अभिप्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान खोज में नवोन्मेष
inspire
Innovation in Science Pursuit for Inspired Research

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इंस्पायर अवार्ड मानक योजना 2022–23 की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता लखनऊ पब्लिक कॉलेजियेट रुचि खण्ड–1 शारदा नगर लखनऊ (निकट बंगला बाजार रोड) में होगी।

शिक्षा निदेशक माध्यमिक डॉ. महेन्द्र देव ने प्रदर्शनी के आयोजन की जिम्मेदारी जे डी माध्यमिक डॉ प्रदीप कुमार सिंह को दी है।

जे डी माध्यमिक कार्यालय के मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि जे डी माध्यमिक डॉ प्रदीप कुमार सिंह ने आयोजन की समस्त तैयारियों के लिए अपनी पूरी टीम लगा दी है जिसमें लखनऊ जनपद के जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार को नोडल,डी आई ओ एस द्वितीय रावेन्द्र सिंह बघेल, सह निरीक्षक आंग्ल भारतीय विद्यालय मनीषा द्विवेदी, एसोसिएट डी आई ओ एस जय शंकर श्रीवास्तव सहित राजकीय विद्यालयों के प्रिंसिपल्स व शिक्षक शिक्षिकाओं को लगाया है,

प्रदर्शनी की लगभग समस्त तैयारियां पूर्ण कर लीं गयीं हैं

डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि इस प्रदर्शनी में पूरे प्रदेश के 40 जनपदों से चयनित कुल 66 बाल वैज्ञानिकों द्वारा उत्कृष्ट वैज्ञानिक नवाचारी मॉडल शो केश किए जाएंगे।

डॉ दिनेश कुमार ने बताया इन 66 बाल वैज्ञानिकों में 40 छात्र व 26 छात्राएं हैं।

चूंकि राज्य के 40 जनपदों से ये 66 मॉडल्स राज्य स्तरीय प्रदर्शनी के लिए चयनित होकर आए हैं इसलिए शोकेश किए जाने वाले प्रत्येक मॉडल की अपनी कोई न कोई विशेष उपयोगिता है।

अब इस राज्य स्तरीय प्रदर्शनी से राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी के लिए उत्कृष्ट मॉडल्स का चयन किया जाएगा,

निर्णायक के रूप में एक एक मॉडल्स के मूल्यांकन के लिए केंद्र सरकार ने अपने एन आई एफ (राष्ट्रीय नव प्रवर्तन प्रतिष्ठान) के विशेषज्ञों को तथा शिक्षा निदेशक माध्यमिक की ओर से उच्च कोटि के वैज्ञानिकों को लगाया गया है।

प्रदेश भर से आने वाले चयनितों और उनके मार्गदर्शक शिक्षक शिक्षिकाओं के लिए आवासीय और भोजन व्यवस्था भी की गई है जिसमें छात्र छात्राओं के ठहरने की अलग अलग व्यवस्था की गई है।डॉ0दिनेश कुमार मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल ने बताया कि प्रदर्शनी का शुभारंभ प्रातः 9 बजे किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा निदेशक बेसिक एवं माध्यमिक उत्तर प्रदेश डॉ0महेन्द्र देव होंगे तथा पुरस्कार वितरण समारोह अपरान्ह 3 बजे किया जाएगा।

प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त - दयाराम प्रजापति

मृतक परिवार को 50 लाख रुपए मुआवजा दिए जाने की उठाई मांग

मृतक की बहन को सरकार दे पक्की नौकरी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । सपा सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर सोमवार को पूर्व एमएलसी दयाराम प्रजापति के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल खेतासराय के बभनौटी वार्ड निवासी फूलचंद प्रजापति के आवास पर पहुंचा।

जिनके दो युवा पुत्र अजय प्रजापति व अंकित प्रजापति की 28 नवंबर मंगलवार की रात सरेआम निर्मय हत्या कर दी गई थी। इस घटना की जानकारी मिलते ही सपा सुप्रीमो ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को पीड़ित परिवार से मिलने के लिए मौके पर पहुंचा

जिसमें मुख्य रूप पूर्व एमएलसी दयाराम प्रजापति ,अरशद खान डां अवधनाथ पाल,दिनेश प्रजापति, हरवीर सिंह, वीरेन्द्र यादव, डां रामगोविंद प्रजापति, दिलीप प्रजापति,के साथ जिले के वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रतिनिधिमंडल खेतासराय कस्बा में पहुंचा।

इस दौरान मृतक परिवार के मुखिया फूलचंद प्रजापति, उनकी पत्नी मनभावती देवी और बेटी विनीता से मुलाकात करके हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

पूर्व एमएलसी दयाराम प्रजापति ने कहा पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर में हम सभी यहां आये हैं घटना की पूरी जानकारी अखिलेश यादव दिया जायेगा और अपराधियों को कठोर से कठोर सजा मिले इसके लिए पूरा समाजवादी परिवार मृतक परिवार के साथ खड़ा रहेगा । कहा आप को किसी से डरने की जरूरी नहीं हैं ।कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा सरकार बनी है।

अपराधी बेलगाम हो गए हैं उनको अपराध करते समय किसी प्रकार का भय नहीं रहता।

खेतासराय कस्बे में पुलिस बूथ के एकदम निकट घटित हुई यह धटना उसका जीता जागता उदाहरण है ।

उन्होंने मांग किया कि भाजपा सरकार इस मृतक के परिवार को 50 लाख की सहायता राशि मुख्यमंत्री राहत कोष से देने की कृपा करें।

कहा मृतक परिवार में एक बेटी बची जो बूढ़े माता पिता का देखभाल करेंगी । उसे भाजपा सरकार पक्की नौकरी दें । जिससे उनका जीवन यापन चल सकें। मुख्य रूप से पूर्व एमएलसी लल्लन प्रसाद यादव,चेयरमैन वसीम अहमद,लालचंद यादव अंखड प्रताप यादव, हिसामुद्दीन शाह, राहुल त्रिपाठी, पूनम मौर्या , इर्शाद मंसूरी, अजमत अली,अजय विश्कर्मा, अनिल दूबे,नासिर खान,जयप्रकाश यादव, ऋषि यादव, त्रिदेव यादव,अमित सोनकर, रामसूरत प्रजापति इंतखाब आलम अन्य मौजूद रहे।

चौपाल में 26 में से 17 विभागों के अधिकारी मिले गैरहाजिर, भड़के विधायक

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार ।अयोध्या–विकासखंड पूराबाजार के ग्राम पंचायत समाहा कला के पंचायत भवन पर सोमवार को आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा के चौपाल मजाक बन कर रह गई। यहां 26 विभागों के अधिकारियों को मौजूद रहना था, पहुंचे महज नौ के। 17 विभागों के अधिकारियों को गैर हाजिर देख नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता का पारा चढ़ गया। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित विभागों के विभागाध्यक्षों से जवाब–तलब किया है। नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि केंद्र की मोदी व प्रदेश की योगी सरकार की मंशा है कि समाज के अंतिम व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले। इसलिए गांव–गांव चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। यदि चौपाल में सभी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित नहीं रहेंगे तो समस्या का समाधान कैसे होगा?

विशिष्ट अतिथि मंडल प्रभारी दिनेश कुमार मिश्रा में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को विस्तार से बताया। मुख्य अतिथि ने सुकना पत्नी राम धीरज को प्रधानमंत्री आवास की चाभी सौंपी। रमेश कुमार, राम जग, सियाराम को किसान सम्मान निधि का प्रमाण पत्र प्रदान किया। चौपाल में खंड विकास अधिकारी मनीष मौर्य, एडीओ समाज कल्याण विवेक कुमार सिंह, बाल विकास एवं पुष्टाहार अधिकारी रवि श्रीवास्तव, राजेश पाठक, विनय शुक्ला, शोभाराम वर्मा, रमेश गौड, अमित मौर्य सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

अभाकाम के सचिन कुमार सिन्हा बने मछलीशहर तहसील अध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव जी व प्रदेश अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव के संगठन जोड़ो अभियान के अंतर्गत जौनपुर के जिलाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट ने संगठन विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत आज अखिल भारतीय कायस्थ महासभा कायस्थ मछली शहर का अध्यक्ष सचिन कुमार सिन्हा पुत्र श्री अशोक कुमार सिन्हा जी को मनोनीत किया है। कायस्थ महासभा 2150 का मछली शहर अध्यक्ष मनोनीत होने पर संरक्षक दिनेश सिन्हा वरिष्ठ एडवोकेट,कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव एडवोकेट, राष्ट्रिय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया,राष्ट्रीय सचिव राजीव श्रीवास्तव,वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश कुमार श्रीवास्तव पूर्व प्रशासनिक अधिकारी,प्रदेश संगठन मंत्री उमेश श्रीवास्तव फूफा, प्रदेश सचिव व राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी अनुपम श्रीवास्तव, प्रदेश प्रवक्ता 2150 विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार, अनुराग सिन्हा एडवोकेट, जिला उपाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव पत्रकार,भाजपा नेता कृपा शंकर श्रीवास्तव पत्रकार अंकित श्रीवास्तव प्रफुल्ल प्रकाश श्रीवास्तव सौरभ श्रीवास्तव विश्वास श्रीवास्तव शुभम सिन्हा अदित्य सिन्हा विष्णु विनोद सिन्हा आदि चित्रांश बंधुओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दिया नवनियुक्त अध्यक्ष मछली शहर सचिन श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ महासभा 2150 को ग्राम पंचायत स्तर तक मजबूत करेंगे व जल्दी ही मछली शहर टीम का सपथ ग्रहण समारोह होगा।

गोभी के नहीं मिल रहे खरीदार, लागत निकालना मुश्किल

सीतापुर (संवाददाता)। गोभी की फसल ने इस बार किसानों को तगड़ा झटका दिया है। इस समय थोक बाजार में गोभी एक से दो रुपये प्रति पीस में बिक रही है। इससे मुनाफा तो दूर लागत निकालना मुश्किल हो रहा है। मजबूरी में किसान उपज को जानवरों के खिला रहे हैं। क्षेत्र में करीब पांच सौ बीघा क्षेत्रफल में फसल का उत्पादन हुआ है। नगर व ग्रामीण इलाके में गोभी की खूब पैदावार होती है। पिछले साल गोभी के अच्छे भाव मिलने से किसानों को उम्मीद थी कि इस बार भी दामों में और इजाफा होगा। इसके चलते इलाके में करीब 500 बीघा जमीन पर इस बार पैदावार की गई थी। तीन माह के अंदर फसल तैयार हो गई। अब किसान इसे बाजार में लेकर पहुंच रहे हैं तो खरीदार नहीं मिल पा रहे हैं।

डीसीएम श्रीराम शुगर यूनिट लोनी समाज सेवा के क्षेत्र में विशेष योगदान कर रही है : उप जिलाधिकारी पूनम भास्कर

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। डीसीएम श्रीराम फाउंडेशन, शुगर यूनिट – लोनी द्वारा तहसील परिसर शाहाबाद में खतौनी वितरण पटल पर कराए गए नवनिर्मित शेड का उद्घाटन सुश्री पूनम भास्कर, एसडीएम शाहाबाद द्वारा शिलापट का अनावरण करके किया गया ।

इस आयोजन के दौरान एसडीएम पूनम भास्कर ने डीसीएम श्रीराम फाउंडेशन के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस शेड से दूर दराज से आने वाले कृषक भाई बंधुओं को धूप बरसात से बचाव होगा एवं बैठने की सुलभ सुविधा उपलब्ध होगी । डीसीएम श्रीराम शुगर यूनिट लोनी समाज सेवा के क्षेत्र में विशेष योगदान कर रही है।

इस अवसर पर चीनी मिल के इकाई प्रमुख राजा श्रीवास्तव, सुनीता पांडे, गन्ना प्रबंधक अनिल सिंह, भारतीय जनता पार्टी के अनुराग श्रीवास्तव ,योग प्रशिक्षक योगेंद्र यादव, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष अंबरीष कुमार सक्सेना,मोहन सिंह, शिवेश कुमार सिंह और अन्य चीनी मिल के अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0–7007415808,9628325542,9415034002
RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।